शिक्षा का अधिकार
समग्र शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

राज्य शिक्षा केन्द्र

पुस्तक भवन, बी–विंग, अरेरा हिल्स, भोपाल–462 011
दूरभाष : (0755) 2768390, 91, 92, 94, 95 फैक्स : 2552363, 2760561

क./पा.पु/रा.शि.के./2025 373 भोपाल, दिनांक 10/03/25

प्रति,

1. जिला शिक्षा अधिकारी
समस्त जिले (म.प्र.) .

2. जिला परियोजना समन्वयक
समस्त जिले (म.प्र.)

विषय– नवीन शैक्षणिक सत्र 2025–26 के सम्पूर्ण सत्र हेतु अकादमिक गतिविधियो के संबध में।

संदर्भ– 1. राज्य शिक्षा केन्द्र के पत्र क्रमांक/ ईएण्डआर/2025/526 भोपाल दिनांक 10/02/2025
2. राज्य शिक्षा केन्द्र के पत्र क्रमांक 2024/703 भोपाल दिनांक 21/03/2024
3. राज्य शिक्षा केन्द्र के पत्र क्रमांक 2024/115 भोपाल दिनांक 30/05/2024

विषयांतर्गत संदर्भित पत्र म.प्र. शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा नवीन शैक्षणिक सत्र 2025–26, का प्रारंभ 1 अप्रैल 2025 से किया जाना है। नवीन शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिए प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयो हेतु अकादमिक गतिविधियो के संचालन के संबध में विस्तृत दिशा –निर्देश निम्नानुसार है–

खण्ड (अ) अप्रैल माह में की जाने वाली अकादमिक गतिविधियॉ

- 1 अप्रैल 2025 को समस्त प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयो में प्रवेशोत्सव मनाया जाए। प्रत्येक विद्यालयों में प्रवेश हेतु गृह सम्पर्क अभियान चलाया जाए।
- परीक्षाएँ संपन्न होने के पश्चात् समस्त कक्षाओ के परिणाम 29 मार्च को घोषित होने पर नवीन सत्र 1 अप्रैल 2025 से प्रांरभ होगा अगामी कक्षा में कक्षोन्नत एवं शाला प्रबंधन समिति की बैठक के आयोजन के संबध में पृथक सें विस्तृत निर्देश जारी किए गए हैं। तद्नुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाएँ।
- पाठ्यपुस्तको को सत्र आरम्भ से ही उपलब्ध कराया जा रहा है। जिसका वितरण सभी विद्यार्थियो को किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
- पुस्तकालय की पुस्तको को नियमित रूप से विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए एवं लर्निंग कार्नर में भी प्रदर्शित करे।
- कक्षा 1 के लिए नव–प्रवेशित बच्चों को स्कूल रेडिनेस कार्यक्रम के अंतर्गत संलग्न **परिशिष्ट–1** के अनुसार प्रारंभिक गतिविधियों का आयोजन किया जाए।
- कक्षा 2 से 4 में क्रमशः 10 वे, 20 वे एवं 30 वें, सप्ताह के ट्रेकर एवं पूर्व कक्षा के परीक्षा परिणामों के आधार पर बच्चों द्वारा जिन दक्षताओं में सीखना शेष रह गया है, उनको चिन्हांकित करते हुए अभ्यास के अवसर प्रदान किए जाएँ एवं छूटी हुई दक्षताओ को पूर्ण कराया जाए।
- एक अप्रैल से कक्षा संचालन के साथ बच्चों की छूटी हुई मूलभूत दक्षताओं के उन्नयन हेतु जॉयफुल लर्निंग के माध्यम से सीखना सुनिश्चित किया जाएगा । जायॅफुल लर्निंग हेतु विस्तृत दिशा – निर्देश पृथक से जारी किए जाएँगे।सम्पूर्ण अप्रैल माह में उपलब्ध कराई जा रही गतिविधियों के अनुसार कक्षा संचालन किया जाए।

10/3/25

Scanned with CamScanner

- विधार्थियो को ग्रीष्म अवकाश स्थानीय, विषयगत एवं कौशल विकास के प्रोजेक्ट कार्य चिन्हित करते हुए व्यक्तिगत एवं सामुहिक रूप से प्रदाय किए जाए।
- जिले के चयनित ऐसे विद्यालय जिसमें प्री–प्रायमरी कक्षाएँ खोली गई है उनके लिए +3, +4, +5 आयुवर्ग के बच्चों का चिन्हांकन एवं शाला में प्रवेश की कार्यवाही पूर्ण कर आवश्यक कार्यवाही की जाए।

<u>खण्ड (ब) ग्रीष्मावकाश के बाद की जाने वाली अकादमिक गतिविधियॉ</u>

- विद्यालय परिसर की साफ–सफाई एवं साज–सज्जा, यूथ एवं इको क्लब का गठन, बैगलेस गतिविधियॉ, खेल गतिविधियॉ हेल्थ क्लब, एक भारत श्रेष्ठ भारत, ई–पुस्तकालय, तम्बाकू मुक्त विद्यालय, ई–वेस्ट प्रबंधन एवं विद्यालय प्रशासन से संबंधित गतिविधियो आदि के सम्पादन हेतु प्रभारी एवं समितियों का गठन किया जाए।

- प्रत्येक कक्षा के लिए समय–सारणी का निर्माण (जिसमें, खेल पीरियड अनिवार्यत सम्मिलित किया जाए) प्राप्त पुस्तको की पोर्टल पर प्रविष्टि, ग्रीष्मावकाश के दौरान अभ्यास हेतु प्रदत्त प्रोजेक्ट की जाँच, आवश्यक रूप से की जाए।

- प्रार्थना सभा में भारत के महापुरूषो की जयंती /पुण्यतिथि महत्वपूर्ण दिवसो की जानकारी एवं नैतिक शिक्षा से संबधित सुभाषित सूक्ति आदि का वाचन कराते हुए आयोजन किया जाएँ।

- कक्षा 1 से 4 हेतु पाठ्यपुस्तकों के साथ–साथ FLN एवं प्रीपेटरी स्टेज के अन्तर्गत प्रदाय अभ्यास पुस्तिकाओं का उपयोग किया जाएगा। कक्षा 1 व 2 एवं 3 व 4 की शिक्षक संदर्शिका में वर्णित पाठ योजनाओ के अनुसार शिक्षण कार्य करवाया जाना सुनिश्चित करें। 'मिशन अंकुर' अंतर्गत एफ. एल. एन. प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षक ही कक्षा 1 व 2 व कक्षा 3 व 4 में अध्यापन कार्य कराएँ।

- एटग्रेड अभ्यास पुस्किाएँ कक्षा 5 से 8 हेतु विषयावार प्रदाय की गई है। यह सामग्री पाठ्यपुस्तकों से मैप्ड है उन्हें नियमित कक्षा शिक्षण के साथ–साथ अभ्यास कार्य हेतु उपयोग में लाया जावे। अभ्यास कार्य का शिक्षक द्वारा नियमित रूप से जाँच कर हस्ताक्षर किए जाएँ एवं उनकी त्रुटियों को सुधार कर दूर कराया जाए।

- विगत सत्रों की भाँति सत्र 2025–26 में भी ओलंम्पियाड, विज्ञान,गणित,पर्यावरण सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी एवं कक्षा 1 व 2 में 'एफएलएन मेला'' का आयोजन किया जाएगा इस संबध में विस्तृत निर्देश पृथक से जारी किए जायेगें। ओलम्पियाड पूर्व तैयारी हेतु ओलम्पियाड प्रश्न बैंक से विद्यार्थियों को नियमित रूप से प्रश्नों का एवं ओएमआर शीट भरने का अभ्यास कराया जाए।
- कक्षा में विद्यार्थियों को चक्रीय क्रम (रोटेशन क्रम) में बैठाया जाए जिससे सभी विद्यार्थीयों को सीखने के समान अवसर प्राप्त हो सकें।
- प्रदाय किए गए टैबलेट का उपयोग कक्षा शिक्षण के दौरान किया जाना सुनिश्चित करे । दीक्षा पोर्टल पर उपलब्ध ई– कन्टेन्ट तथा पाठ्यपुस्तको में दिए गए क्यू आर कोड को स्केन कर दी गई विषयवस्तु का उपयोग सीखने की प्रक्रिया में किया जाएँ ।

10/3/25

Scanned with CamScanner

- राज्य द्वारा संचालित म.प्र. पी.एम. ई–विद्या डीटीएच टीवी चैनल (108,109) द्वारा प्रसारित होने वाले अकादमिक विषयवस्तु का अवलोकन करने हेतु बच्चो को प्रोत्साहित करे ।

उपर्युक्त अकादमिक गतिविधियों का संचालन सत्र प्रारंभ से ही किया जाना सुनिश्चित करे।

10/3/25

संलग्न– परिशिष्ट–1

(हरजिंदर सिंह)
संचालक
राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

पृ.क./पा.पु/रा.शि.के./2025 /374 **भोपाल, दिनांक** 10/03/25

प्रतिलिपिः–

1. निज सचिव, माननीय मंत्री म.प्र. शासन, स्कूल शिक्षा विभाग की ओर सादर सूचनार्थ।
2. सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग वल्लभ भवन, भोपाल की ओर सूचनार्थ।
3. आयुक्त, लोक शिक्षण संचालनालय म.प्र. की ओर सूचनार्थ।
4. आयुक्त, आदिवासी विकास, सतपुड़ा भवन भोपाल की ओर सूचनार्थ।
5 कलेक्टर, समस्त जिले (म.प्र.) की ओर सादर सूचनार्थ
6. मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, समस्त जिले मध्यप्रदेश की ओर सूचनार्थ।
7. संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण समस्त संभाग की ओर सूचनार्थ एवं पालनार्थ।
8 बीआरसी समस्त विकासखण्ड़ (म.प्र.) की ओर सूचनार्थ एवं पालनार्थ ।
9. समस्त जनशिक्षक (म.प्र.) की ओर सूचनार्थ एवं पालनार्थ।
10.समस्त प्रधानाध्यापक प्राथमिक/माध्यमिक विधालय की ओर सूचनार्थ एवं पालनार्थ।
9. ICT कक्ष की ओर पोर्टल पर अपलोड करने हेतु।

10/3/25

संचालक
राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

Scanned with CamScanner

परिशिष्ट–1

स.क्र.	गतिविधि का नाम	सुझावात्मक गतिविधि
1	स्थानीय खेल	शिक्षक स्थानीय खेल जो बच्चों द्वारा खेले जाते हों उनको संकलित करते हुए खेल खिलाएँ जैसे– स्टेचु, टापू, घोड़ा बादाम शाही, चिड़िया फुर्र आदि।
2	खेल–गीत	स्थानीय स्तर गाए जाने वाले गीतों का संकलन करते हुए खेल गीत जैसे – पोशम पास, भाई पोशम पाश... आदि।
3	मिट्टी के खिलौने बनाना	पशु–पक्षियों की आकृति बनाना, रसोई के वर्तनों एवं चूल्हा आदि की आकृति बनाना आदि।
4	कागज की कटिंग	पंतग, फूल की आकृति, पशु–पक्षियों की आकृति, सजावटी आकृतियॉ आदि।
5	कागज की फोल्डिंग	नाव, हवाई जहाज, पशु–पक्षियों की आकृति, गेंद, चकरी आदि।

नोट –इसके अतिरिक्त शिक्षक स्व–विवेक से अन्य रोचक गतिविधियॉ आयोजित कर सकते हैं।

Scanned with CamScanner